कक्षा ५
हिंदी

डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की जुबानी

पाठ का सारांश

शिमला की माल रोड पर जनरल पोस्ट ऑफिस है। सुबह के 11:30 बज रहे हैं। लेखिका प्रतिमा शर्मा डाकघर में हैं। वे डाकिये कँवरसिंह से बात कर रही हैं। कँवरसिंह हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा गाँव के रहने वाले हैं। उनकी उम्र 45 साल है। उनके चार बच्चे हैं। तीन लड़कियाँ और एक लड़का।

कँवरसिंह ने 1980 में भारतीय डाक सेवा में ग्रामीण डाक सेवक के पद पर नौकरी शुरू की। वे लाहौल-स्पीति, किन्नौर और शिमला के कई गाँवों में डाक पहुँचाते रहे। पहाड़ी इलाकों में डाक पहुँचाना काफी मुश्किल काम होता है। कँवरसिंह को अक्सर 26 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता था।

कँवरसिंह को अपनी नौकरी में बहुत आनंद आता है। उन्हें लोगों से मिलना और उन्हें डाक पहुँचाना अच्छा लगता है। वे कहते हैं कि डाक लोगों को एक-दूसरे से जोड़ती है।

कँवरसिंह को अपनी मेहनत के लिए कई बार पुरस्कार मिले हैं। उन्हें 2004 में "बेस्ट पोस्टमैन" का पुरस्कार भी मिला। कँवरसिंह एक ईमानदार और जिम्मेदार डाकिया हैं। वे हमेशा समय पर डाक पहुँचाने का प्रयास करते हैं। वे लोगों के लिए एक प्रेरणा हैं।

डाकिए की कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें अपनी नौकरी में मेहनत और लगन से काम करना चाहिए। हमें दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

शब्दार्थ:

छाँटने - अलग करने

पैकर - पैकिंग करने वाला व्यक्ति

फटाफट - शीघ्रता से, जल्दी-जल्दी

पुरस्कार - इनाम

मौत - मृत्यु, निधन

कक्षा - वर्ग, श्रेणी

ज़रिया - साधन, तरीका

सम्मान - इज्जत, मान

इंतज़ार - प्रतीक्षा

इम्तिहान - परीक्षा

वेतन - तनख़्वाह

प्रतिदिन - रोजाना

तबादला – स्थानान्तरण, बदली

भयंकर – डरावना, अत्यधिक भीषण

वजह - कारण

प्रशस्ति पत्र - प्रशंसा के पत्र

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1 कँवरसिंह की उम्र कितनी है?

उत्तर- कँवरसिंह की उम्र 45 साल है।

प्रश्न 2. डाकिया कहाँ का रहें वाला था?

उत्तर- डाकिया हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा गाँव का रहने वाला था|

प्रश्न 3. डाकियों पर काम का बोझ क्यों बढ़ता जा रहा हैं ?

उत्तर – डाकियों पर काम का बोझ इसीलिए बढ़ता जा रहा हैं क्योंकि जो डाकिये रिटायर हो चुके हैं ,उनकी जगह नए डाकिये भर्ती नहीं किए जाते हैं ।

प्रश्न 4. पहाड़ी इलाकों में डाक पहाँचाने में क्या-क्या परेशानियाँ आती है ?

उत्तर – पहाडी इलाकों में डाक को पैदल ही घर – घर पहुँचाना पड़ता है ,और पहाड़ी इलाकों में अकधि ठंड होने कारण बीमारियों का खतरा भी बना रहता है ।

प्रश्न 5. गाँवों में डाकिए का बड़ा आदर और सम्मान किया जाता है। क्यों?

उत्तर- क्योंकि वहाँ पर आज भी संदेश पहुँचाने का सबसे बड़ा ज़रिया डाक ही है। गाँव के लोग अपनी चिट्ठी आदि पाने के लिए डाकिए का इंतजार करते हैं।

प्रश्न 6. कँवरसिंह को अपनी नौकरी में मज़ा क्यों आता है ?

उत्तर – कँवरसिंह को अपनी नौकरी में मज़ा इसीलिए आता है क्योंकि उनको देखकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान आती हैं।

प्रश्न 7. पहाड़ी क्षेत्रों में डाकिए को किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है?

उत्तर- पहाड़ी क्षेत्रों में डाकिए को मीलों पैदल चलना, बर्फबारी में फैसने जैसी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है|

प्रश्न 8. कँवरसिंह को कौन-सा पुरस्कार मिला?

उत्तर- कँवरसिंह को 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार मिला|

प्रश्न 9. यह पुरस्कार उन्हें कब मिला?

उत्तर- यह पुरस्कार उन्हें सन् 2004 में मिला|

प्रश्न 10. गाँव के स्कूल कितनी दूर होते हैं?

उत्तर- गाँव के स्कूल लगभग 5 किलोमीटर दूर होते हैं।

प्रश्न 11. कँवरसिंह को इनाम में कितने रुपये मिले थे?

उत्तर- कँवरसिंह को इनाम में 500 रुपये रुपये मिले थे।